

Living the LOTUS

6
2015

Buddhism in Everyday Life

VOL. 117

FOUNDER'S ESSAY

यदि तुम क्रुध होते हो समझो असफल हो

कुछ बाँस में बात बात पर अपने कर्मियों को सलाह या फटकार की घूँट पिलाने की आदत होती है। कुछ माता पिता में। अपने संतानों को बराबर डाँट फटकार लगाने की लत होती है। बाँस या माता पिता के ऐसे व्यवहार के पीछे उनकी मंशा होती है उनमें प्रेरणा जगाना उनसे अच्छे आचरण की अपेक्षा होती है। परन्तु इनका प्रायः विपरीत असर होता है। कर्मि या संतान इस प्रकार की सलाह या परताड़ना बार बार मिलने से ऐसे अवसर आने उनमें खीज पैदा होती है, कड़वाहट आती है खिन्न होते हैं।

दूसरों को जीवन में सम्पूर्ण मन से दत्तचित्त रहने के लिए प्रेरित करना अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। दूसरे शब्दों में दूसरों को उनमें अंतर्निहित बुद्ध स्वभाव का बोध कराना हमारा कर्तव्य होना चाहिए। जब दूसरों के साथ सम्बन्ध बढ़ाने में निराशा मिलती है हमें उनके प्रति क्रोध आता है तो समझो हम असफल हैं। हम से उनका तालमेल नहीं है, हमसे विमुख

होकर चले जाएँगे। क्रुध होने की अपेक्षा हम उनको पहचानें उन्हें अपनाएँ। हम ऐसा करते हो या नहीं करते हैं इसके ऊपर सफलता निर्भर करती है।

जो तुम कह रहे हो दूसरे उस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। तो तुम अपनी

शान्ति बनाये रखो तथा आत्मचिन्तन करो। तुझे स्वयं भान होगा कि तुम अवश्य अपनी सोच के अनुसार दूसरों से भी वैसा कराने का प्रयत्न कर रहे हो। अर्थात् तुम उनकी इच्छा उनके विचार को जाने वगैर चाहते हो कि वे भी वैसा ही करें जैसा तुम सोचते हो। अच्छा होगा कि तुम उनके दिल दिमाग को समझो उनकी प्रवृत्ति को जानो और तदनुसार उनसे वैसे कार्यों के निष्पदन की अपेक्षा करो। कैसे करें यह दिखलाना अच्छा होगा।

एक उदाहरण प्रस्तुत करना शतों प्रवचनों से अत्युत्तम है।

द्वारा-काइसोजुइकन-८, कोसेई प्रसारण क०, पृ 176-77

Living the Lotus Vol. 117 (June 2015)

Published by Rishso Kosei-kai International,
Fumonkan, 2-6-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo, 166-8537 Japan
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: shanzai.rk-international@kosei-
kai.or.jp
Senior Editor: Shoko Mizutani
Copy Editor: Parmita Shekhar
Editor: Etsuko Nakamura
Editorial Staff of RK International

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निचिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

“लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ” का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।

शरण में जाने का निहितार्थ

निचिको निवनो
प्रेसिडेण्ट, रिशशो कोसेई कार्ई

सत्यता के शरण में जाना

जिस जगत में हम रह रहे हैं वह परिवर्तनशील है जैसाकि इस कथन में (जो राजकुमार शोतोकु (५७४-६२२) के नाम है) व्यक्त हुआ है- जगत असार परिवर्तनशील है। इसके प्रतिलोम में कथन है, जैसा हम सभी को सुविदित है, केवल बुद्ध सत्य हैं।

इसका अर्थ है, असार परिवर्तनशील जगत में रहकर दूसरों से तुलना कर निर्धारित करते हैं कि कौन हम से ऊपर है या कौन ऊपर नहीं है। वे ऐसे संसार में रह रहे हैं जिसमें सभी प्राणियों का जन्म मूलतः समानरूप से विशेष प्रयोजनार्थ हुआ है। यहाँ तुलनात्मक मूल्यंाकन की आवश्यकता नहीं है। इसके अतिरिक्त हमारा जीवनकाल सीमित है परन्तु जीवन सारतः असीमित नित्य शाश्वत है। इसलिए इस जगत को असार परिवर्तनशील कहा जाता है तथा इसके प्राणी निरपेक्ष अजर नित्य मूलतः सत्यरूप हैं।

सत्यता के शरण में जाना धर्म या सत्यनिष्ठा की मूल अवधारणा का आधार है। इसमें तुलना या भेदभाव का स्थान नहीं है। दूसरों का आदर करना दूसरों के हित का खयाल रखना आदि मानवीय गुण हैं। इन सहजात गुणों को जीवन में तरजीह देना ही धर्म या सत्यनिष्ठा का मूल आधार है।

हम सदा सोचते हैं कि यह कठिन कार्य है। परन्तु अभ्यास हो जाने पर स्वतः व्यवहार में व्यक्त होता है। जैसेकि “नामु म्योहो रेंगे क्यो (मैं सद्धर्म पुण्डरीकसूत्र की शरण में जाता हूँ)” के “नामु” की तरह, रिशशो कोसेई कार्ई के सदस्यों का ओदाईमोकु का पाठ करते समय “नामु” का अर्थ होता है शरण में जाना। लिखावट में इसके दो काँजी कैरेक्टर में एक का अर्थ लौटना है। किसमें “लौटना” है? वह सत्यता है।

इसलिए “नामु म्योहो रेंगे क्यो” एक पदावली है जिसका



सुस्पष्ट आशय है कि पुण्डरीकसूत्र के द्वारा मुझे सत्यता का बोध होगा तथा अन्यथा भाव सामने आता है उसे उस पर छोड़ना है। साथ ही यह पदावली सत्यता के साथ जीने की प्ररणा देता है।

इस अर्थ में ओदाईमोकु का सरल अर्थ “नामु” की सत्यता है। जैसाकि सभी धर्म “नामु” की सत्यता में प्रतिष्ठित है तथा सभी एक और एकमात्र सत्य के बोध की आकांक्षा करते हैं।

जब सत्य का बोध होता है

निचिरेन (१२२२-८२) का तर्क था “नामु म्योहो रेंगे क्यो” का जाप करने से स्वयं अपने में अन्तर्निहित बुद्धभाव के प्रति चेतना उत्पन्न होती है। उदाहरण स्वरूप उन्होंने कहा था जब कोई पक्षी पिँजरे में गाती है वह आकाश में उड़ती पक्षियों तक पहुँचती है, उन्हें अपनी ओर आकर्षित करती है तथा पिँजरे में बन्द पक्षी आकाश में उड़ते पक्षियों को देखकर निकलने का प्रयास करती है।

जब “नामु म्योहो रेंगे क्यो” का पाठ होता है बुद्धभाव जाग्रत होता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि स्वयं में अन्तर्निहित बुद्धभाव का स्वतः बोध हो जाता है। इससे समझ सकते हैं कि “नामु” अर्थात् सत्यता की ओर लौटना बहुत अधिक कठिन नहीं है। परन्तु निरन्तर सजग रहने की आवश्यकता है कि सचमुच में सत्यता की परीधि में जीना है। इसमें उत्प्रेरक है ओदाईमोकु या प्रार्थना का समय जिसमें कोई सम्पूर्ण मन से दुःख से मुक्ति पाने के लिए ईश्वर या बुद्ध की प्रार्थना करता है।

कुछ लोग शायद ऐसा सोचते हैं कि “नामु” कहने या शरण में जाने का अर्थ है अपने सम्पूर्ण कार्यों के लिए बुद्ध पर आश्रित होने का दृढ़ विश्वास की अनिवार्यता है। निस्सन्देह कुछ हद तक ऐसी दृढ़ता आवश्यक है परन्तु जैसाकि पुण्डरीकसूत्र में कहा गया है

अगर कोई छोटा बच्चा खेल खेल में बालू का मंदिर बनाता है या मात्र एक बार “नामु बुद्धा” कहता है यह सत्यता

के बोध का अनायास ही उत्पन्न होने का क्षण होता है। इसके अतिरिक्त मैं सोचता हूँ कि बहुत सारे लोगों में धर्म के प्रति शंकाएँ हैं। परन्तु वस्तुतः ये सत्यता को जानने का अवसर देते हैं।

रिशो कोसेई कार्ई में जब इस सूत्र का पाठ करते हैं त्रिरत्न की शरण में जाने का व्रत लेते हैं। इसमें “नामु” का अर्थ बुद्ध धर्म संघ की शरण में जाना है। उस क्षण मैं समझ पाता हूँ कि क्यों सभी बौद्ध सम्प्रदायों में समान रूप से ऐसा व्रत लेने का विधान है। बुद्ध धर्म संघ बौद्ध धर्म का सार है हृदय है।

मुझे जो सत्यता की सत्ता का बोध है सभी को ऐसा बोध हो ऐसी मेरी कामना है तथा बुद्ध की शिक्षा के माध्यम से सबके साथ ज्ञान प्राप्ति की अभिलाषा करता हूँ। मैं मार्ग पर अग्रसर रहूँ जिससे अन्य लोगों को सत्यता के बोध का सुखानन्द मिले।

इस कामना से कि स्वयं का सत्यता का बोध अन्य के बोध का कारण बने मैं मार्ग में अग्रसर हूँ। यह श्रद्धाविश्वास होने के हर्ष आनन्द की अनुभूति है।

From Kosei, June 2015.



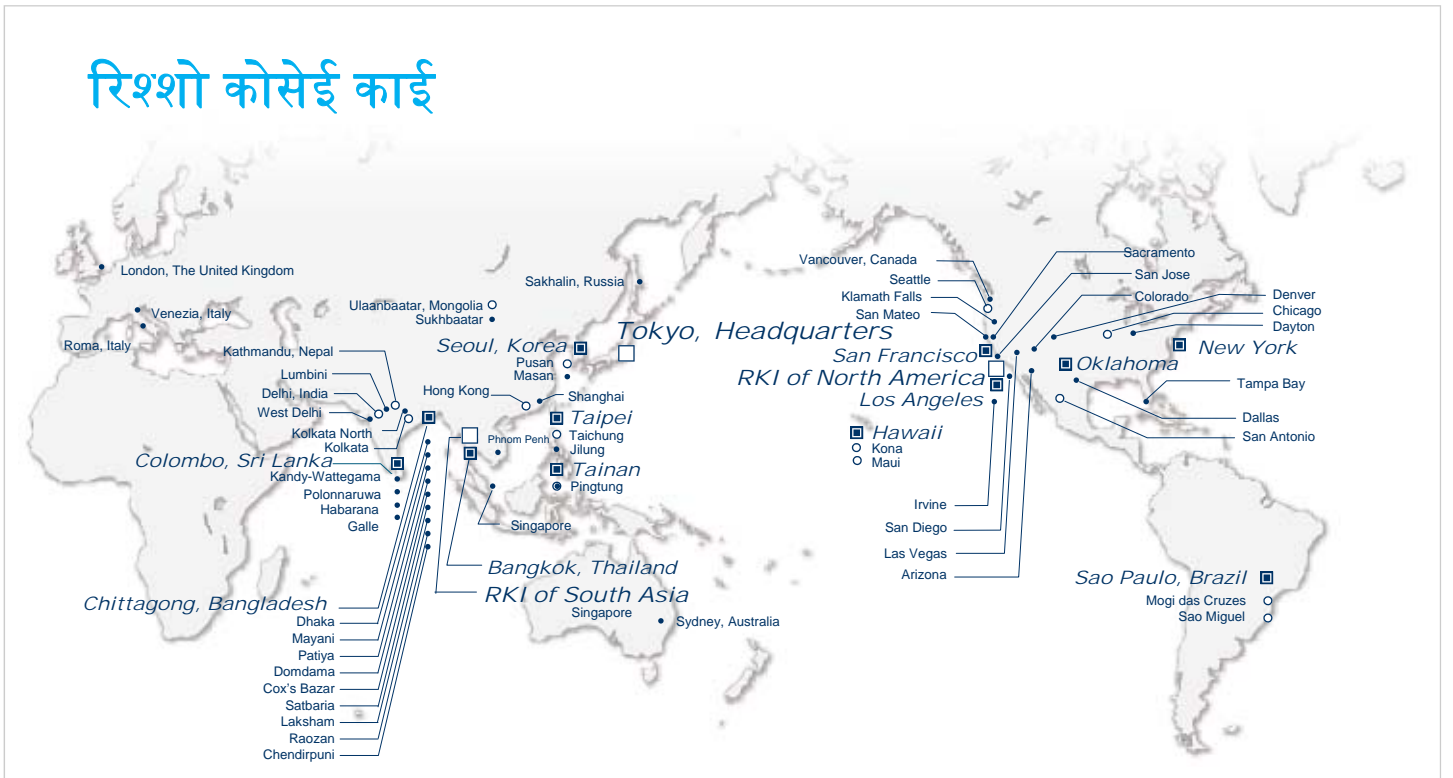
Living the LOTUS

आपके विचार प्रार्थनीय है !

न्यूज लेटर के “पुण्डरीक को जीना: दैनिक जीवन में बौद्धधर्म” पर अपने विचार भेजने के लिए हमारा आपसे सादर आग्रह है। अपना विचार इस

email- living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp भेजें।

रिशशो कोसेई कार्ड



Rissho Kosei-kai Overseas Dharma Centers

2015

Rissho Kosei-kai International

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First Street Suite #1 Los Angeles
CA 90033 U.S.A
Tel: 1-323-262-4430 Fax: 1-323-262-4437
e-mail: info@rkina.org http://www.rkina.org

Branch under RKINA

Rissho Kosei-kai of Tampa Bay
2470 Nursery Rd. Clearwater, FL 33764, USA
Tel: (727) 560-2927
e-mail: rktampabay@yahoo.com
http://www.buddhismtampabay.org/

Rissho Kosei-kai International of South Asia (RKISA)

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: thairissho@csloxinfo.com

Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, U.S.A.
Tel: 1-808-455-3212 Fax: 1-808-455-4633
e-mail: info@rkhawaii.org http://www.rkhawaii.org

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center
1817 Nani Street, Wailuku, HI 96793, U.S.A.
Tel: 1-808-242-6175 Fax: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center
73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, U.S.A.
Tel: 1-808-325-0015 Fax: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, U.S.A.
Tel: 1-323-269-4741 Fax: 1-323-269-4567
e-mail: rk-la@sbcglobal.net http://www.rkina.org/losangeles.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio
6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, U.S.A.
Tel: 1-210-561-7991 Fax: 1-210-696-7745
e-mail: dharmasanantonio@gmail.com
http://www.rkina.org/sanantonio.html

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, U.S.A.
Tel: 1-650-359-6951 Fax: 1-650-359-6437
e-mail: info@rksf.org http://www.rksf.org

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center
28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, U.S.A.
Tel: 1-253-945-0024 Fax: 1-253-945-0261
e-mail: rkseattle@juno.com
http://www.buddhistLearningCenter.com

Rissho Kosei-kai of Sacramento

Rissho Kosei-kai of San Jose

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, U.S.A.
Tel: 1-212-867-5677 Fax: 1-212-697-6499
e-mail: rkny39@gmail.com http://rk-ny.org/

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, U.S.A.
Tel: 1-773-842-5654
e-mail: murakami4838@aol.com
http://home.earthlink.net/rkchi/

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Fort Myers

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th Street, Oklahoma City, OK 73112, U.S.A.
Tel & Fax: 1-405-943-5030
e-mail: ok.risshokoseikai@gmail.com http://www.rkok-dharmacenter.org

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Klamath Falls

1660 Portland St. Klamath Falls, OR 97601, U.S.A.

Rissho Kosei-kai, Dharma Center of Denver

1571 Race Street, Denver, Colorado 80206, U.S.A.
Tel: 1-303-810-3638

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

635 Kling Dr, Dayton, OH 45419, U.S.A.
http://www.rkina-dayton.com/

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP,
CEP 04116-060, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446 / 55-11-5573-8377
Fax: 55-11-5549-4304
e-mail: risho@terra.com.br http://www.rkk.org.br

Rissho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP,
CEP 08730-000, Brasil
Tel: 55-11-5549-4446/55-11-5573-8377

Rissho Kosei-kai of Taipei

4F, No. 10 Hengyang Road, Zhongzheng District, Taipei City 100, Taiwan
Tel: 886-2-2381-1632 Fax: 886-2-2331-3433
http://kosei-kai.blogspot.com/

Rissho Kosei-kai of Taichung

No. 19, Lane 260, Dongying 15th St., East Dist.,
Taichung City 401, Taiwan
Tel: 886-4-2215-4832/886-4-2215-4937 Fax: 886-4-2215-0647

Rissho Kosei-kai of Tainan

No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
Tel: 886-6-289-1478 Fax: 886-6-289-1488

Rissho Kosei-kai of Pingtung

Korean Rissho Kosei-kai

423, Han-nam-dong, Young-San-ku, Seoul, 140210, Republic of Korea
Tel: 82-2-796-5571 Fax: 82-2-796-1696
e-mail: krkk1125@hotmail.com

Korean Rissho Kosei-kai of Pusan

1258-13, Dae-Hyun-2-dong, Nam-ku, Kwang-yok-shi, Pusan, 608816,
Republic of Korea
Tel: 82-51-643-5571 Fax: 82-51-643-5572

Branches under the Headquarters

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road,
North Point, Hong Kong,
Special Administrative Region of the People's Republic of China
Tel & Fax: 852-2-369-1836

Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar

15f Express tower, Enkh taiwii urgun chuluu, 1st khoroo, Chingeltei district, Ulaanbaatar, Mongolia
Tel: 976-70006960
e-mail: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Sakhalin

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk
693005, Russian Federation
Tel & Fax: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Roma

Via Torino, 29-00184 Roma, Italia
Tel & Fax : 39-06-48913949
e-mail: roma@rk-euro.org

Rissho Kosei-kai of the UK**Rissho Kosei-kai of Venezia**

Castello-2229 30122-Venezia Ve Italy

Rissho Kosei-kai of Paris

86 AV Jean Jaures 93500 Tentin Paris, France

Rissho Kosei-kai of Sydney**International Buddhist Congregation (IBC)**

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Sugunami-ku, Tokyo, Japan
Tel: 81-3-5341-1230 Fax: 81-3-5341-1224
e-mail: ibcrk@kosei-kai.or.jp http://www.ibc-rk.org/

Rissho Kosei-kai of South Asia Division

5F Fumon Hall, 2-6-1 Wada, Sugunami, Tokyo, 166-8537, Japan
Tel: 81-3-5341-1124 Fax: 81-3-5341-1224

Thai Rissho Friendship Foundation

201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkok, Huaykhwang
Bangkok 10310, Thailand
Tel: 66-2-716-8141 Fax: 66-2-716-8218
e-mail: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei-kai of Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
Tel & Fax: 880-31-626575

Rissho Kosei-kai of Dhaka

House No.467, Road No-8 (East), D.O.H.S Baridhara,
Dhaka Cant.-1206, Bangladesh
Tel: 880-2-8413855

Rissho Kosei-kai of Mayani

Maitree Sangha, Mayani Bazar, Mayani Barua Para, Mirsarai,
Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Patiya

Patiya, sadar, Patiya, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Domdama

Domdama, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Cox's Bazar

Ume Burmese Market, Main Road Teck Para, Cox's bazar, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Satbaria

Satbaria, Hajirpara, Chandanish, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Laksham

Dupchar (West Para), Bhora Jatgat pur, Laksham, Comilla,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Raozan

West Raozan, Ramjan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai of Chendirpuni

Chendirpuni, Adhunagor, Lohagara, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhamma Foundation, Sri Lanka

382/17, N.A.S. Silva Mawatha, Pepiliyana, Boralesgamuwa, Sri Lanka
Tel & Fax: 94-11-2826367

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa**Rissho Kosei-kai of Habarana**

151, Damulla Road, Habarana, Sri Lanka

Rissho Kosei-kai of Galle**Rissho Kosei-kai of Kandy****Branches under the South Asia Division****Delhi Dharma Center****Rissho Kosei-kai of West Delhi**

66D, Sector-6, DDA-Flats, Dwarka
New Delhi 110075, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar,
Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsilhel, Sancepa-1, Lalitpur,
Kathmandu, Nepal

Tel: 977-1-552-9464 Fax: 977-1-553-9832

e-mail: nrkk@wlink.com.np

Rissho Kosei-kai of Lumbini

Shantiban, Lumbini, Nepal

Rissho Kosei-kai of Singapore**Rissho Kosei-kai of Phnom Penh**

#201E2, St 128, Sangkat Mittapheap, Khan 7 Makara,
Phnom Penh, Cambodia

Other Groups**Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**